



**NEERAJ®**

# MEC-110

## मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार ( Money, Financial Institutions & Markets )

Chapter Wise Reference Book  
Including Many Solved Sample Papers

*Based on*

# IGNOU.

**& Various Central, State & Other Open Universities**

*By: Sanjay Jain*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

*(Publishers of Educational Books)*

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: [info@neerajbooks.com](mailto:info@neerajbooks.com)

Website: [www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

**MRP ₹ 380/-**

## Content

# मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार

## (Money, Financial Institutions & Markets)

Sample Question Paper-1 (Solved) .....	1
Sample Question Paper-2 (Solved) .....	1
Sample Question Paper-3 (Solved) .....	1
Sample Question Paper-4 (Solved) .....	1

---

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
<b>खण्ड 1: वित्तीय प्रणाली: अवलोकन ( THE FINANCIAL SYSTEM: OVERVIEW)</b>		
1.	आर्थिक एजेंट (Economic Agents).....	1
2.	वित्तीय मध्यस्थता (Financial Intermediation) .....	7
3.	बुनियादी व्यवसाय लेखांकन ( Basic Business Accounting).....	14
<b>खण्ड 2: मुद्रा ( MONEY)</b>		
4.	आधुनिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका..... ( The Role of Money in a Modern Economy)	22
5.	मुद्रा की मांग ( Demand of Money).....	29
6.	मुद्रा आपूर्ति ( Money Supply) .....	36
<b>खण्ड 3: मौद्रिक नीति ( MONETARY POLICY)</b>		
7.	केंद्रीय बैंक : मौद्रिक नीति में इसकी भूमिका..... (Central Bank: Its Role in Monetary Policy)	43
8.	केंद्रीय बैंक : बैंकिंग व्यवस्था के नियामक के रूप में इसकी भूमिका..... (Central Bank : Its Role as Regulator of the Banking System)	54
9.	भारत में मौद्रिक नीति : संचरण तंत्र..... (Monetary Policy in India : Transmission Mechanism)	60
<b>खण्ड 4: वित्तीय बाजार (FINANCIAL MARKETS)</b>		
10.	मुद्रा बाजार (Money Markets).....	76
11.	पूँजी बाजार (Capital Markets).....	86
12.	बॉण्ड बाजार (Bond Market).....	93

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
13.	व्युत्पन्नक (Derivatives).....	100
<b>खण्ड 5: वित्तीय संस्थान (FINANCIAL INSTITUTIONS)</b>		
14.	वाणिज्यिक बैंकिंग (Commercial Banking).....	107
15.	गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं (Non-Banking Financial Institutions).....	117
16.	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) (Securities and Exchange Board of India-Sebi).....	126
17.	अन्य वित्तीय संस्थाएं (Other Financial Institutions).....	136
<b>खण्ड 6: वित्तीय बाजारों के परिचालन पहल (OPERATIONAL ASPECTS OF FINANCIAL MARKETS)</b>		
18.	पोर्टफोलियो की सुदक्ष सीमारेखा (Efficient Portfolio Frontier).....	147
19.	पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण का मॉडल (Capital Asset Pricing Model-CAPM).....	153
20.	अंतर-पणन मूल्य निर्धारण का सिद्धांत (Arbitrage Pricing Theory).....	162
21.	व्युत्पन्नकों का मूल्य निर्धारण (Pricing of Derivatives).....	168
22.	कॉर्पोरेट वित्त (Corporate Finance).....	174
23.	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश ( Foreign Direct Investment and Foreign Portfolio Investment ).....	185
<b>खण्ड 7: वित्तीय स्थिरता (FINANCIAL STABILITY)</b>		
24.	समष्टि अर्थशास्त्र, वित्त और व्यापार चक्र..... ( Macroeconomics, Finance and Business Cycles )	192
25.	दक्ष (कुशल) बाजार परिकल्पना ( Efficient Market Hypothesis ).....	197
26.	वित्तीय स्थिरता ( Financial Stability ).....	202
27.	गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) [ Non & Performing Assets (Npas) ].....	209
28.	विदेशी विनिमय स्थिरता और तत्संबंधित मुद्दे..... (Foreign Exchange Stability and Related Issues)	220
29.	व्यवहारवादी वित्त (Behavioural Finance).....	226



**Sample Preview  
of the  
Solved  
Sample Question  
Papers**

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

Sample  
**QUESTION PAPER - 1**

(Solved)

**मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार**  
(Money, Financial Institutions & Markets)

**MEC-110**

समय : 3 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. मुद्रा, साख और व्यापक आर्थिक नीति के बीच संबंध का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-4, पृष्ठ-27, प्रश्न 7

प्रश्न 2. वित्तीय बाजार के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-1, पृष्ठ-3, प्रश्न 3

प्रश्न 3. संभावित एनपीए की पहचान के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ (ईडब्ल्यूएस) क्या हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-27, पृष्ठ-211, प्रश्न 4

प्रश्न 4. साख सृजन में बैंकों की सीमाएँ क्या हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-14, पृष्ठ-112, प्रश्न 9

प्रश्न 5. बैंकिंग लोकपाल योजना, 2006 का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-8, पृष्ठ-58, प्रश्न 6

प्रश्न 6. दो तरलता अनुपातों और दो वित्तीय उत्तोलन अनुपातों का नाम बताइए और उन्हें परिभाषित कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-88, प्रश्न 2

प्रश्न 7. स्टॉक और प्रवाह के बीच संबंध का वर्णन करें। उदाहरणों की व्याख्या करें कि किसी अर्थव्यवस्था की वित्तीय प्रणाली स्टॉक और प्रवाह से कैसे प्रभावित होती है।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-3, पृष्ठ-18, प्रश्न 4

प्रश्न 8. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की परिभाषा दीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-23, पृष्ठ-186, प्रश्न 1

प्रश्न 9. वास्तविक दुनिया के वित्तीय बाजारों में असामान्यताओं की मौजूदगी सीएपीएम की व्यवहार्यता को किस प्रकार प्रभावित करती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-19, पृष्ठ-159, प्रश्न 4

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

(क) मौद्रिक नीति के साधन

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-7, पृष्ठ-43, 'मौद्रिक नीति के साधन'

(ख) बॉण्ड वर्गीकरण

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-12, पृष्ठ-93, 'बॉण्ड का वर्गीकरण'

(ग) फायर सेल

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-24, पृष्ठ-195, प्रश्न 5

(घ) अनुभावाधीनता

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-29, पृष्ठ-226, 'अनुभावाधीनता'

Sample  
**QUESTION PAPER - 2**

(Solved)

**मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार**  
(Money, Financial Institutions & Markets)

**MEC-110**

समय : 3 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. वित्तीय संस्थानों का विनियमन किस प्रकार किया जा रहा है?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-2, पृष्ठ-12, प्रश्न 8

प्रश्न 2. बॉण्ड से आपका क्या अभिप्राय है? उनकी विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-12, पृष्ठ-95, प्रश्न 1

प्रश्न 3. ब्लैक-स्कोल्स विकल्प मूल्य निर्धारण मॉडल का उपयोग करके आप कॉल और पुट विकल्पों का मूल्य कैसे निर्धारित करेंगे?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-21, पृष्ठ-171, प्रश्न 6

प्रश्न 4. मार्कोविट्ज के पोर्टफोलियो सिद्धांत के मुख्य बिंदु कौन से हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-18, पृष्ठ-150, प्रश्न 5

प्रश्न 5. स्वामी की पूंजी और उधार ली गई पूंजी के बीच अंतर बताएं।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-22, पृष्ठ-178, प्रश्न 4

प्रश्न 6. एनबीएफआई के चार महत्वपूर्ण कार्य बताइए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-15, पृष्ठ-119, प्रश्न 2

प्रश्न 7. हम बॉण्ड से उत्पन्न होने वाले नकदी प्रवाह की अपेक्षित धारा की गणना कैसे करते हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-89, प्रश्न 4

प्रश्न 8. केंद्रीय बैंकों के लिए उच्च शक्ति मुद्रा का आकलन करते समय सरकारी लेनदेन पर विचार करना क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-6, पृष्ठ-40, प्रश्न 8

प्रश्न 9. विदेशी विनिमय स्थिरता बनाए रखने के लिए आपके क्या सुझाव हैं?

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-28, पृष्ठ-224, प्रश्न 7

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए-

(क) अचल और वित्तीय परिसंपत्ति में संबंध

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-3, पृष्ठ-17, प्रश्न 2

(ख) व्युत्पन्नक

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-13, पृष्ठ-100, 'व्युत्पन्नक का अर्थ'

(ग) एफडीआई के माध्यम

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-23, पृष्ठ-185, 'एफडीआई के माध्यम'

(घ) एनपीए की मात्रा और प्रवृत्ति

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-27, पृष्ठ-211, प्रश्न 3

# Sample Preview of The Chapter

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

# मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार (Money, Financial Institutions & Markets)

## आर्थिक एजेंट (Economic Agents)

1

### परिचय

आर्थिक एजेंट ऐसे व्यक्ति या संस्थाएँ हैं, जो निर्णय लेने, लेन-देन करने और अर्थव्यवस्था के भीतर संसाधन आवंटन को प्रभावित करके आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इन एजेंटों में घर, फर्म, सरकारें और वित्तीय संस्थान शामिल हैं, जो सभी मांग, आपूर्ति, कीमतों और समग्र आर्थिक प्रदर्शन को आकार देने के लिए बाजारों में परस्पर क्रिया करते हैं। वित्तीय बाजारों और संस्थानों के संदर्भ में, घर बचतकर्ता और उधारकर्ता के रूप में दोहरी भूमिका निभाते हैं। वे बैंकों में धन जमा करके या बचत खातों, बॉण्ड और स्टॉक जैसे वित्तीय साधनों में निवेश करके बचत करते हैं, साथ ही घर या वाहन खरीदने जैसे उद्देश्यों के लिए उधार भी लेते हैं। इसी तरह, फर्म उधारकर्ता और निवेशक दोनों के रूप में काम करती हैं, वित्तीय संस्थान इन लेन-देन को सुविधाजनक बनाने वाले मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं, और सरकारें वित्तीय गतिविधियों की देखरेख और विनियमन करती हैं।

आर्थिक एजेंटों की सामूहिक क्रियाएँ वित्तीय बाजारों में धन, ऋण और निवेश के प्रवाह को संचालित करती हैं, ब्याज दरों, परिसंपत्ति की कीमतों और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, एक परिदृश्य पर विचार करें जहाँ एक उद्यमी के पास एक अभिनव व्यवसायिक विचार है, लेकिन उसके पास धन की कमी है, जबकि एक निवेशक के पास व्यवहार्य अवसरों की तलाश में अधिशेष मुद्रा है। इन दो एजेंटों को जोड़कर, वित्तीय बाजार और बैंक, बीमा कंपनियाँ और पेंशन फंड जैसे मध्यस्थ संसाधनों के कुशल आवंटन को सक्षम करते हैं, जिससे पारस्परिक लाभ पैदा होता है।

### अध्याय का विहंगावलोकन

#### वित्तीय प्रणाली की प्रकृति

वित्तीय प्रणाली में वित्तीय संस्थाएँ, बाजार, उपकरण और सेवाएँ शामिल होती हैं, जो आर्थिक एजेंटों के बीच धन के कुशल हस्तांतरण और आवंटन की सुविधा प्रदान करती हैं।

#### वित्तीय संस्थाएँ

वित्तीय संस्थाएँ मध्यस्थ के रूप में कार्य करती हैं, बचत जुटाती हैं और ऋण उपलब्ध कराती हैं। इनमें शामिल हैं—

(i) बैंकिंग संस्थाएँ—भुगतान प्रणालियों में भाग लेने, ऋण उपलब्ध कराएँ और जमा उपलब्ध कराएँ।

(ii) गैर-बैंकिंग संस्थाएँ—उदाहरणों में म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियाँ और पेंशन फंड शामिल हैं।

#### वित्तीय बाजार

वित्तीय बाजार वित्तीय दावों में लेन-देन को सक्षम बनाते हैं। इन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है—

(i) प्राथमिक और द्वितीयक बाजार

(ii) मुद्रा और पूंजी बाजार

#### वित्तीय प्रपत्र

वित्तीय साधन दावों या दायित्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसे बॉण्ड, स्टॉक और डेरिवेटिव, जो निवेश और ऋण परिचालन को सुविधाजनक बनाते हैं।

#### वित्तीय सेवाएँ

प्रमुख सेवाओं में मर्चेन्ट बैंकिंग, लीजिंग, क्रेडिट रेटिंग और पोर्टफोलियो प्रबंधन शामिल हैं। ये सेवाएँ निवेशकों और बाजारों के बीच ज्ञान के अंतर को पाटने में मदद करती हैं।

#### वित्तीय बाजारों में प्रतिभागी

प्रतिभागियों में व्यापारिक फर्म, निवेशक, दलाल, सट्टेबाज, हेजर्स और मध्यस्थ शामिल हैं। वित्तीय बाजार बचतकर्ताओं को उधारकर्ताओं से जोड़ते हैं, जिससे कुशल पूंजी आवंटन संभव होता है।

#### वित्तीय बाजार

वित्तीय बाजार स्टॉक, बॉण्ड और डेरिवेटिव जैसी वित्तीय परिसंपत्तियों को खरीदने और बेचने के तंत्र हैं। वे कुशल पूंजी प्रवाह को सुविधाजनक बनाकर आर्थिक विकास का समर्थन करते हैं।

#### वित्तीय बाजारों के प्रकार

**मुद्रा बाजार**—यह अल्पकालिक, अत्यधिक तरल साधनों जैसे ट्रेजरी बिलों से संबंधित होता है।

**पूंजी बाजार**—शेयरों और बॉण्ड जैसे मध्यम और दीर्घकालिक साधनों पर ध्यान केंद्रित करता है।

**डेरिवेटिव बाजार**—इसमें वायदा और विकल्प अनुबंध शामिल हैं।



**विदेशी मुद्रा बाजार**—मुद्रा विनिमय की सुविधा प्रदान करता है।  
**कमोडिटी बाजार**—सोने और तेल जैसी भौतिक वस्तुओं का व्यापार।

**क्रिप्टोकॉर्सेसी बाजार**—बिटकॉइन जैसी डिजिटल परिसंपत्तियों से संबंधित है।

**वित्तीय बाजारों का महत्त्व और कार्य**

**आर्थिक बाजार—**

- बचत को उत्पादक उपयोग के लिए जुटाना।
- मूल्य खोज और तरलता को सुगम बनाना।
- लेन-देन लागत कम होगी और आर्थिक स्थिरता को समर्थन मिलेगा।

**वित्तीय प्रपत्र**

वित्तीय साधन, जैसे—शेयर, बॉण्ड और डेरिवेटिव, पूंजी आवंटन को सुविधाजनक बनाने वाली परिसंपत्तियाँ हैं। उन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया जाता है—

- नकद प्रपत्र**—बाजार द्वारा निर्धारित मूल्य।
- व्युत्पन्न**—अंतर्निहित परिसंपत्तियों से प्राप्त मूल्य।
- विदेशी मुद्रा प्रपत्र**

**वित्तीय प्रपत्रों के प्रकार**

- प्राथमिक प्रपत्र**—उधारकर्ताओं द्वारा सीधे जारी किए गए (जैसे, स्टॉक)।
- द्वितीयक प्रपत्र**—निवेशकों के बीच कारोबार किये जाने वाले (जैसे, बॉण्ड)।

## बोध प्रश्न

**प्रश्न 1. वित्तीय प्रणाली का क्या महत्त्व है?**

**उत्तर**—वित्तीय प्रणाली विभिन्न आर्थिक एजेंटों के बीच कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से धन के हस्तांतरण और आवंटन की सुविधा प्रदान करती है। यह बचत जुटाने, पूंजी आवंटित करने, जोखिमों का प्रबंधन करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय संस्थानों, बाजारों, उपकरणों और सेवाओं को एकीकृत करती है। वित्तीय प्रणाली बचतकर्ताओं और उधारकर्ताओं के बीच धन के प्रवाह को सुविधाजनक बनाकर, निवेश और विकास का समर्थन करके और संसाधनों के कुशल आवंटन को सक्षम करके अर्थव्यवस्था के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके महत्त्व को निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों में संक्षेपित किया जा सकता है—

**1. पूंजी निर्माण की सुविधा**—वित्तीय प्रणाली व्यक्तियों, परिवारों और संगठनों से बचत जुटाती है और इन निधियों को उत्पादक निवेशों में लगाती है। यह प्रक्रिया पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण को बढ़ावा देती है, जिससे आर्थिक विकास और विकास को बढ़ावा मिलता है।

**2. कुशल संसाधन आवंटन को बढ़ावा देना—**

(i) ऋणदाताओं और उधारकर्ताओं को जोड़कर, वित्तीय प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि संसाधनों को उनके सबसे अधिक उत्पादक उपयोगों के लिए आवंटित किया जाए।

(ii) यह आपूर्ति और मांग के आधार पर वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्य निर्धारण के लिए एक मंच प्रदान करती है, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करती है।

**3. आर्थिक स्थिरता को सक्षम करना—**

(i) एक मजबूत वित्तीय प्रणाली बीमा, डेरिवेटिव और निवेश निधि जैसे वित्तीय साधनों के माध्यम से जोखिम विविधीकरण और प्रबंधन के लिए तंत्र प्रदान करती है।

(ii) केंद्रीय बैंक, वित्तीय प्रणाली के हिस्से के रूप में, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, मुद्रा को स्थिर करने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मौद्रिक नीतियों को लागू करते हैं।

**4. व्यापार और वाणिज्य का समर्थन करना**—वित्तीय संस्थान

व्यापार वित्त-व्यवस्था, भुगतान प्रणाली और ऋण सुविधाओं जैसी सेवाओं के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाते हैं। ऋण पत्र और विदेशी मुद्रा सेवाओं जैसे उपकरण जोखिम को कम करते हैं और सीमाओं के पार सुचारु लेनदेन को सक्षम करते हैं।

**5. बचत और निवेश को प्रोत्साहित करना**—वित्तीय प्रणाली व्यक्तियों और व्यवसायों को बचत करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बचत खाते, सावधि जमा, बॉण्ड और म्यूचुअल फंड जैसे विभिन्न साधन प्रदान करती है। इन बचतों को फिर उत्पादक गतिविधियों में निवेश किया जाता है, जिससे विकास का एक अच्छा चक्र बनता है।

**6. तरलता प्रदान करना**—वित्तीय बाजार यह सुनिश्चित करते हैं कि स्टॉक और बॉण्ड जैसी परिसंपत्तियों को आसानी से खरीदा या बेचा जा सके, जिससे निवेशकों को तरलता मिलती है। तरलता व्यवसायों और व्यक्तियों को उनके वित्तीय दायित्वों को तुरंत पूरा करने में मदद करती है, जिससे सिस्टम में विश्वास बढ़ता है।

**7. जोखिम प्रबंधन को सुविधाजनक बनाना**—वित्तीय प्रणाली विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, ब्याज दर में बदलाव या कमोडिटी में मूल्य अस्थिरता जैसे जोखिमों से बचाव के लिए उपकरण प्रदान करती है। डेरिवेटिव, बीमा और क्रेडिट गारंटी जैसे उपकरण अनिश्चितताओं को कम करने और व्यवसायों और निवेशकों की सुरक्षा करने में मदद करते हैं।

**8. नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना**—अनुसंधान और विकास को वित्तपोषित करके, वित्तीय प्रणाली नवाचार का समर्थन करती है, जिससे आर्थिक प्रगति होती है। वेंचर कैपिटल और निजी इक्विटी फंड स्टार्टअप को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता गतिविधि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**9. शासन और जवाबदेही को मजबूत करना**—क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां, ऑडिटर और विनियामक, जो वित्तीय प्रणाली का हिस्सा हैं, वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देते हैं। इससे निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ता है और एक स्थिर आर्थिक माहौल को बढ़ावा मिलता है।

**प्रश्न 2. वित्तीय बाजार क्या है?**

**उत्तर**—वित्तीय बाजार एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां वित्तीय परिसंपत्तियों और प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री होती है। ये बाजार प्रतिभूतियों, डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज, फॉरेक्स और बहुत कुछ के व्यापार की सुविधा प्रदान करते हैं। वित्तीय बाजारों में भाग लेने वालों में बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियां, म्यूचुअल फंड और पेंशन ट्रस्ट आदि शामिल हैं। वित्तीय बाजार, डेरिवेटिव्स, बैंक सीडी और फ्यूचर्स जैसे उपकरणों के साथ-साथ बैंक, पेंशन फंड, बीमा कंपनियां और म्यूचुअल फंड जैसी संस्थाएं निवेशकों को उनकी

जरूरतों के हिसाब से कई तरह की सेवाएं प्रदान करते हैं। वित्तीय बाजार और वित्तीय संस्थान मिलकर आर्थिक विकास को गति देने और आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं के कुशल कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'वित्तीय बाजार' शब्द में संपूर्ण बुनियादी ढांचा शामिल है, जो मुद्राओं, बॉण्डों, स्टॉक, डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज और विदेशी मुद्रा जैसी वित्तीय प्रतिभूतियों के व्यापार को सक्षम बनाता है। व्यवसाय इन बाजारों का उपयोग विस्तार के लिए पूंजी जुटाने के लिए करते हैं, जबकि निवेशक इनका उपयोग रिटर्न उत्पन्न करने के लिए करते हैं।

वित्तीय बाजारों में सूचना की पारदर्शिता यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि परिसंपत्ति की कीमतें कुशलतापूर्वक और उचित रूप से निर्धारित की जाती हैं। हालांकि बाजार की कीमतें सरकार की मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों जैसे व्यापक आर्थिक कारकों के कारण आंतरिक मूल्यों से विचलित हो सकती हैं। वित्तीय बाजार एक विशाल पैमाने पर संचालित होते हैं, जो विविध परिसंपत्ति वर्गों को कवर करते हैं और विभिन्न संरचनाओं और नियामक ढांचे को नियोजित करते हैं। इन अंतरों के बावजूद, उनका मूल कार्य परिसंपत्तियों या अनुबंधों के खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ना है, नीलामी या मूल्य खोज जैसे तंत्रों के माध्यम से व्यापार को सुविधाजनक बनाना है। वित्तीय बाजारों में प्रमुख प्रतिभागियों में बैंक, दलाल, संरक्षक और डिपॉजिटरी जैसे मध्यस्थ शामिल हैं। ये मध्यस्थ बाजारों के निर्बाध और कुशल कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे उधारदाताओं से धन एकत्र करते हैं, उधारकर्ताओं को पूंजी आवंटित करते हैं और अपने ग्राहकों की ओर से स्टॉक, म्यूचुअल फंड इकाइयों, बॉण्ड और जमा प्रमाणपत्रों सहित वित्तीय प्रतिभूतियों का प्रबंधन करते हैं।

वित्तीय बाजारों में संतुलन पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के तहत मांग और आपूर्ति के सिद्धांतों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। यह तब होता है जब अल्पकालिक और दीर्घकालिक निवेशों के लिए धन (ऋण) की अपेक्षित मांग बचत और ऋण निर्माण से उत्पन्न धन की योजनाबद्ध आपूर्ति के बराबर होती है। संक्षेप में, संतुलन के लिए आवश्यक है कि कुल वांछित उधार कुल वांछित उधार के साथ संरेखित हो, जिससे ब्याज की एक संतुलित दर स्थापित हो।

### प्रश्न 3. वित्तीय बाजार के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

**उत्तर**—वित्तीय बाजारों को कारोबार की जाने वाली परिसंपत्तियों के प्रकार और जिस संरचना में वे काम करते हैं, उसके आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। मुख्य प्रकार इस प्रकार हैं—

**1. ओवर-द-काउंटर (OTC) बाजार**—ओवर-द-काउंटर (OTC) बाजार सार्वजनिक स्टॉक एक्सचेंजों के बाहर व्यापार की सुविधा देता है, जिसमें अक्सर छोटी कंपनियाँ शामिल होती हैं। OTC बाजारों में लेन-देन आम तौर पर कम विनियमित और अधिक लागत प्रभावी होते हैं, जिससे वे छोटी संस्थाओं के लिए सुलभ हो जाते हैं।

**2. बॉण्ड मार्केट**—बॉण्ड मार्केट निवेशकों को बॉण्ड खरीदकर पैसे उधार देने की अनुमति देता है, जो पूर्वनिर्धारित ब्याज दरों और परिपक्वता अवधि के साथ प्रतिभूतियों के रूप में कार्य करते हैं। बॉण्ड विभिन्न संस्थाओं द्वारा जारी किए जा सकते हैं, जिनमें सरकारें, निगम, राज्य और नगर पालिकाएँ शामिल हैं और इनका उपयोग पूंजी जुटाने के लिए किया जाता है।

**3. मुद्रा बाजार**—मुद्रा बाजार एक वर्ष से कम की परिपक्वता अवधि वाले अत्यधिक तरल, अल्पकालिक वित्तीय साधनों में विशेषज्ञता रखता है। इन उत्पादों की विशेषता सुरक्षा और अपेक्षाकृत कम रिटर्न है। थोक स्तर पर, संस्थान और व्यापारी कम मात्रा वाले व्यापार में संलग्न होते हैं।

खुदरा स्तर पर, व्यक्ति मनी मार्केट म्यूचुअल फंड, बैंक मनी मार्केट अकाउंट या शॉर्ट-टर्म पेपर में निवेश करते हैं।

**4. डेरिवेटिव मार्केट**—डेरिवेटिव मार्केट उन अनुबंधों से संबंधित है, जिनका मूल्य अंतर्निहित परिसंपत्तियों जैसे प्रतिभूतियों, कमोडिटीज, मुद्राओं या सूचकांकों से प्राप्त होता है। डेरिवेटिव द्वितीयक प्रतिभूतियाँ हैं, जिसका अर्थ है कि उनका मूल्य पूरी तरह से प्राथमिक प्रतिभूतियों के मूल्य पर निर्भर करता है।

**(i) वायदा बाजार**—भविष्य की डिलीवरी के लिए मानकीकृत अनुबंधों का व्यापार करें, जो क्लियरिंगहाउस के माध्यम से विनियमित और निपटाए जाते हैं।

**(ii) विकल्प बाजार**—विकल्प अनुबंधों को सूचीबद्ध और विनियमित करें, जो किसी परिसंपत्ति को खरीदने या बेचने का अधिकार प्रदान करते हैं, लेकिन दायित्व नहीं।

वायदा और विकल्प दोनों बाजारों में इक्विटी, निश्चित आय प्रतिभूतियाँ और कमोडिटीज जैसी कई परिसंपत्ति वर्ग शामिल हो सकते हैं।

**5. कमोडिटीज मार्केट**—यह बाजार उत्पादकों और उपभोक्ताओं को भौतिक वस्तुओं के व्यापार के लिए जोड़ता है, जैसे—

- कृषि उत्पाद (जैसे—मक्का, सोयाबीन, पशुधन)
- ऊर्जा उत्पाद (जैसे—तेल, गैस, कार्बन क्रेडिट)
- कीमती धातुएँ (जैसे—सोना, चाँदी, प्लेटिनम)
- सॉफ्ट कमोडिटीज (जैसे—काँफी, कपास, चीनी)

ट्रेडिंग मुख्य रूप से तत्काल एक्सचेंजों के लिए स्पॉट मार्केट में होती है, जबकि फॉरवर्ड, फ्यूचर्स और ऑप्शन का कारोबार OTC और विनियमित एक्सचेंज दोनों पर होता है।

**6. विदेशी मुद्रा बाजार**—विदेशी मुद्रा बाजार मुद्रा जोड़े के व्यापार के लिए वैश्विक स्थल है। प्रतिभागी खरीद, बिक्री, हेजिंग और विनिमय दरों पर सट्टा लगा सकते हैं। यह नकदी की उच्च तरलता के कारण सबसे बड़ा और सबसे अधिक तरल वित्तीय बाजार है। विदेशी मुद्रा बाजार कंप्यूटर और दलालों के विकेंद्रीकृत नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक स्तर पर संचालित होता है, जिसमें बैंक, कंपनियाँ, केंद्रीय बैंक, हेज फंड और खुदरा निवेशक शामिल होते हैं।

**7. क्रिप्टोकॉर्सेसी बाजार** 2009 से उभर रहा है। क्रिप्टोकॉर्सेसी बाजार बिटकॉइन और एथेरियम जैसी विकेंद्रीकृत डिजिटल परिसंपत्तियों के व्यापार को सक्षम बनाता है, जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं।

**(i) क्रिप्टोकॉर्सेसी का कारोबार** केंद्रीकृत एक्सचेंजों पर किया जाता है, जहां व्यापारी टोकन या फिएट मुद्राओं का आदान-प्रदान करने के लिए डिजिटल वॉलेट का उपयोग करते हैं। हालांकि ये प्लेटफॉर्म हैंक और धोखाधड़ी के लिए असुरक्षित हैं।

**(ii) विकेंद्रीकृत एक्सचेंज (DEX)**—बिना विचौलियों के पीयर-टू-पीयर (P2P) ट्रेडिंग की अनुमति देते हैं, जिससे अधिक सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

4 / NEERAJ : मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार

**प्रश्न 4. वित्तीय संस्थानों को परिभाषित करें और विभिन्न प्रकार के वित्तीय संस्थानों के बीच अंतर भी बताएँ।**

**उत्तर**—वित्तीय संस्थान ऐसे संगठन हैं, जो किसी अर्थव्यवस्था में धन के प्रवाह को सुगम बनाते हैं। वे व्यक्तियों, व्यवसायों और सरकारों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिसमें जमा स्वीकार करना, पैसा उधार देना, निवेश का प्रबंधन करना और वित्तीय सलाह देना शामिल है। बचतकर्ताओं से उधारकर्ताओं तक धन पहुँचाकर, वित्तीय संस्थान आर्थिक विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**वित्तीय संस्थानों के प्रकार**—वित्तीय संस्थानों को उनके कार्यों और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के आधार पर मोटे तौर पर वर्गीकृत किया जा सकता है। प्रमुख प्रकार हैं—

1. **डिपॉजिटरी संस्थान**—ये संस्थान मुख्य रूप से जमा स्वीकार करने और ऋण प्रदान करने से संबंधित हैं। वे बचतकर्ताओं से धन जुटाकर और उन्हें उधारकर्ताओं को उधार देकर मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं।

**उदाहरण—**

(i) **वाणिज्यिक बैंक**—चेकिंग और बचत खाते, ऋण और भुगतान प्रसंस्करण सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं।

(ii) **क्रेडिट यूनियन**—सदस्य-स्वामित्व वाली सहकारी समितियाँ हैं, जो पारंपरिक बैंकों की तुलना में कम शुल्क और बेहतर ब्याज दरों पर बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करती हैं।

(iii) **बचत और ऋण संघ (एस एंड एल)**—बचत जमा स्वीकार करने और बंधक और उपभोक्ता ऋण देने में विशेषज्ञ।

2. **गैर-डिपॉजिटरी संस्थान**—ये संस्थान जमा स्वीकार नहीं करते हैं, लेकिन निवेश, बीमा या ऋण जैसी वित्तीय सेवाएँ प्रदान करते हैं।

**उदाहरण—**

(i) **बीमा कंपनियाँ**—जीवन, संपत्ति, स्वास्थ्य और देयता जोखिमों के लिए कवरेज प्रदान करके जोखिम प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करती हैं।

(ii) **पेंशन फंड**—सेवानिवृत्ति बचत का प्रबंधन और सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्तियों को आय प्रदान करते हैं।

(iii) **निवेश फर्म**—स्टॉक, बॉण्ड और म्यूचुअल फंड जैसी प्रतिभूतियों में निवेश की सुविधा प्रदान करते हैं।

(iv) **वित्त कंपनियाँ**—व्यक्तियों और व्यवसायों को ऋण प्रदान करती हैं, लेकिन जमा स्वीकार नहीं करती हैं।

3. **केंद्रीय बैंक**—केंद्रीय बैंक सरकारी संस्थाएँ हैं, जो किसी देश की मौद्रिक प्रणाली और वित्तीय संस्थाओं को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार हैं। वे मुद्रा जारी करने का प्रबंधन करते हैं, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करते हैं और अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए ब्याज दरें निर्धारित करते हैं।

**उदाहरण**—फेडरल रिजर्व (यू.एस.), यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी)।

4. **शैडो बैंक**—ये गैर-बैंक वित्तीय संस्थाएँ हैं, जो पारंपरिक बैंकों के समान कार्य करती हैं, लेकिन विनियामक ढांचे के बाहर काम करती हैं। उदाहरणों में हेज फंड, प्राइवेट इक्विटी फंड और मनी मार्केट फंड शामिल हैं। वे ऋण और तरलता प्रदान करते हैं, लेकिन डिपॉजिटरी संस्थानों के समान निगरानी के अधीन नहीं हैं।

5. **विकास बैंक**—ये विशेष वित्तीय संस्थान हैं, जो विशेष रूप से विकासशील देशों में आर्थिक विकास परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक वित्त-व्यवस्था और समर्थन प्रदान करते हैं।

**उदाहरण**—विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (ADB)।

**वित्तीय संस्थानों के प्रकारों के बीच मुख्य अंतर—**

पहलू	डिपॉजिटरी संस्थाएँ	गैर-डिपॉजिटरी संस्थाएँ	केंद्रीय बैंक	छाया बैंक	विकास बैंक
<b>बेसिक कार्यक्रम</b>	जमा स्वीकार करें, ऋण प्रदान करें	बीमा, निवेश आदि की पेशकश करें।	मौद्रिक नीति और विनियमन	पारंपरिक बैंकिंग के बाहर ऋण प्रावधान	फंड विकास परियोजनाएँ
<b>विनियमन</b>	उच्च विनियमित	मध्यम रूप से विनियमित	सरकार-नियंत्रित	सीमित विनियमन	विशिष्ट चार्टर द्वारा विनियमित
<b>उदाहरण</b>	वाणिज्यिक बैंक, क्रेडिट यूनियन	बीमा कंपनियाँ, पेंशन फंड	फेडरल रिजर्व, ECB	हेज फंड, मनी मार्केट फंड	विश्व बैंक, ADB
<b>फंडिंग स्रोत</b>	ग्राहक जमा	प्रीमियम, निवेश आय	सरकार और मौद्रिक नीति उपकरण	निजी निवेशक	सरकार और अंतर्राष्ट्रीय योगदान
<b>लक्षित दर्शक</b>	आम जनता, व्यवसाय	निवेशक, पॉलिसीधारक	संपूर्ण अर्थव्यवस्था	निवेशक, व्यवसाय	विकासशील देश

**प्रश्न 5. वित्तीय प्रपत्रों को परिभाषित करें। प्राथमिक प्रतिभूतियों और द्वितीयक प्रतिभूतियों के बीच अंतर करें।**

**उत्तर**—वित्तीय प्रपत्र कानूनी अनुबंध हैं, जो वित्तीय परिसंपत्तियों के दावे का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनका उपयोग उधार लेने, उधार देने, निवेश करने या जोखिमों से बचाव के लिए किया जाता है और पूंजी के कुशल आवंटन के लिए उपकरण के रूप में काम किया जाता है। वित्तीय साधनों को उनकी संरचना, उद्देश्य और अंतर्निहित मूल्य के आधार पर विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

**वित्तीय साधनों के प्रकार—**

1. **ऋण लिखत**—बॉण्ड, डिबेंचर और ऋण जैसे उधार और उधार समझौतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।